तेरी भोली सी सुरतिया,
समाए गई दिल में ओ सांवरिया,
ओ मेरे सांवरिया ओ मेरे सांवरिया,
ओ मेरे सांवरिया ओ मेरे सांवरिया।।

ये भी देखें तेरी भोली सी सुरत सांवरिया।

ओ तेरे नैना रस के रसीले,
ओ रसीले और कटीले,
ओ तेरे नाक होंठ को देखके प्यारे,
लग ना जाए नजरिया,
समाए गई दिल में ओ सांवरिया।।

ओ तेरे मोरपखा सिर सोहे,
ओ तेरी सूरत मन को मोहे,
हाथ लकुटिया कांधे कमरिया,
बाजे मधुर बांसुरिया,
समाए गई दिल में ओ सांवरिया।।

तेरी अलखे हैं घुंघराली,
ओ घुंघरारी कारी कारी,
ओ पागल तो है तेरा दीवाना,
कर दे बीते उमरिया,
समाए गई दिल में ओ सांवरिया।।

तेरी भोली सी सुरतिया,
समाए गई दिल में ओ सांवरिया,
ओ मेरे सांवरिया ओ मेरे सांवरिया,
ओ मेरे सांवरिया ओ मेरे सांवरिया।।

स्वर चित्र विचित्र जी महाराज।
प्रेषक ऋषि कुमार विजयवर्गीय।
7000073009

Source:
https://www.bharattemples.com/teri-bholi-si-suratiya-samaye-gayi-dil-me-o-sawariya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw